

परमेश्वर रौ दास यहोशु



Bangani

परमेश्वर रौ दास यहोशु

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/4.0/>

You may not use this work for commercial purposes. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

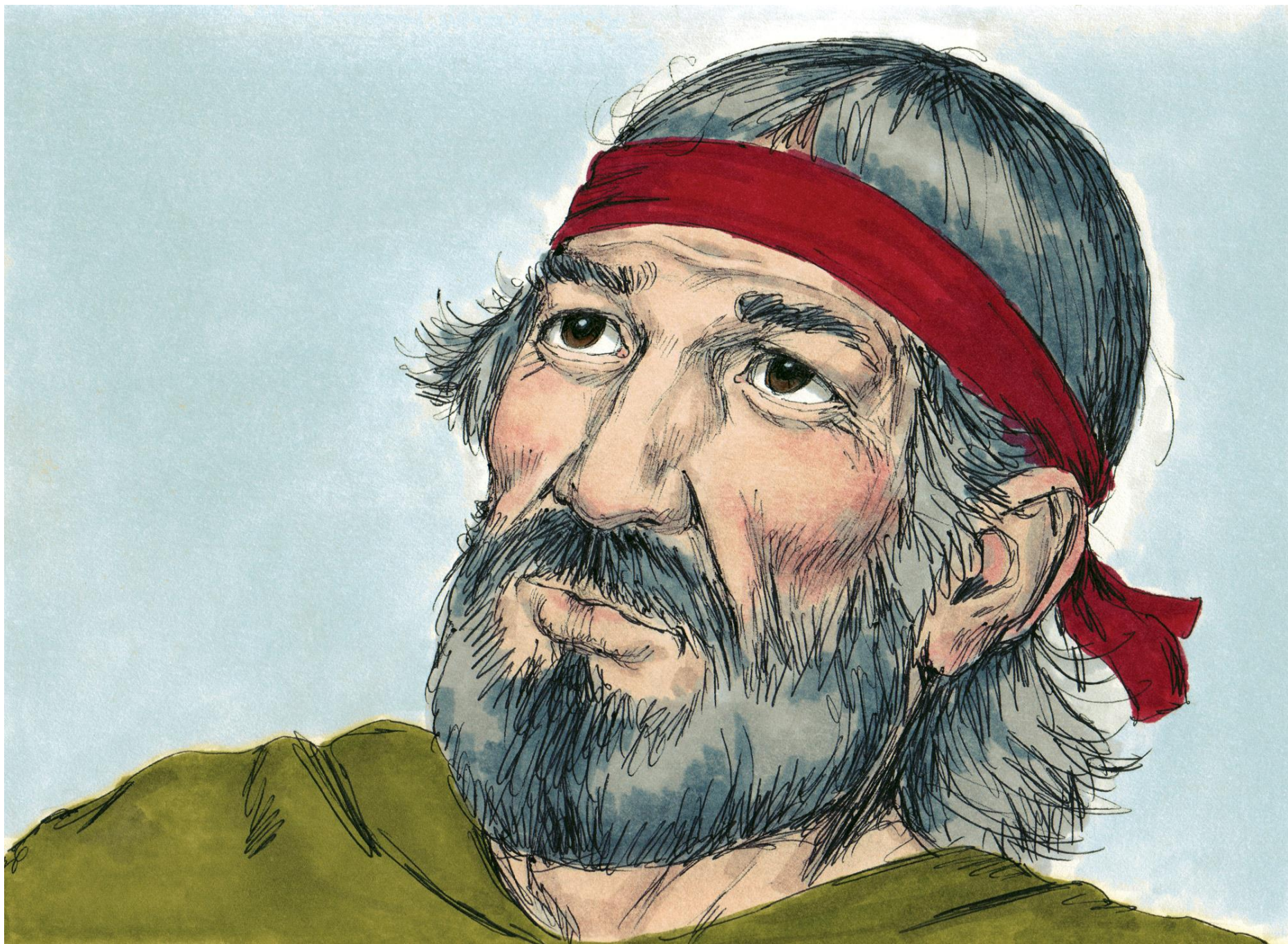
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें परमेश्वर का दास यहोशू के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



परमेश्वरेइ जौ इस्राइली लोग मिस्रिउं रि गुलामी कौइ
छुड़ाए, औज़ि तेतबासियै चाळिश साल जौउं कनान
देश दि डेणै रै खातिर ज़ांगळे दि बौटकै, सेजै दुसु
दि मुसाइ तिउंरी देख बाळ की, औज़ि परमेश्वर
तिउंकै खाणे खि स्वर्ग कौइ मन्ना दै थौ।



मुसा एक सौ बीश साल रौ उइ गोअ थौ, औज़ि
परमेश्वरेइ मुसा आरि औगौणिकेइ थौ बोलौन्दौ, कि
तु कनान देश दि ना डेइ सौक्दौ, सेजै बौक्ते दि मुसा
रौ एक दास थौ ज़ेसरौ नौऊं यहोशु थौ, तेसदि
परमेश्वर री आत्मा रौऐ थी। औज़ि मुसाइ तेसरौ
राज़तिलक कियौ, कि सेउ इस्राइल रै लोगु रि देख
बाळ कौरै लौ।



तैबै मुसा पोरु मौरौ, मुसा रै मौरणै बासियै परमेश्वरेइ
तेसरौ दास यहोशु आरि बोलौ, बिऊजू गाची बान
औज़ि एज़ै सारै लोगु यर्दन नौइ रै पाली पौशै तेस
देश दि नीउं जुण्ज़ौ देश आउं तिउंके देऊ। तेरी
ज़िन्दगी बर कोइ बि तेरै सामणै ना रुकी सौक्दौ,
जेशौ आउं मुसा रै साथै रौ तेशौइ आउं तेरै साथै बि
रौऊ। औज़ि ना तै आउं ताउंके कादि दोखौ देऊ लौ
औज़ि ना तै ताउं कादि छोड़ु लौ।



नियमु रि ऐ किताब तैरै ज़ियै कौइ कादि ना उतरुणै
चाइं, इंदेइ दुसै रात दियान दै। एज़ी बौज़ै कौइ ज़ो
कुछ तिन्दै लिखौन्दौ तेशौइ कौरने रि चोकशी कौरै,
केलाकि एशौइ कौरणै कौइ तेरै सारै काम पुरै औयै
लै, औज़ि तु शौक्तिशाली औयै लौ। तैबै यहोशुइ
इस्राइल रै मुखियाउँ आरि बोलौ, कि आपड़ै लोगु
आरि बोली देइयौ, कि आमै चीन दूस बासियै यर्दन
नौइ पार कौरी।



जौ सै यर्दन नौइ काइ पौइंचै, तै तिउं देखौ कि नौइ
रौ पाणि बौरी थौ बौडौन्दौ, तैबै यहोशुइ याजकु
आरि बोलौ, परमेश्वर रौ वाचा रौ सिन्दुक टिपियौ
लोगु रै औगौणिकै – औगौणिकै डैऔ, तैबै सै वाचा
रौ सिन्दुक टिपियौ औगौणिकै डै जेशौइ याजकु रै
बांगणै नौइ रै पाणि माइं पौड़ै, तेशौइ पाणि रुकौ
औज़ि पाणि एक पौशै कौट्टौ उवौ।



तैबै सारै लोग यर्दन नौइ पारै डै, याजक लोग
तैज़ौउं पाणि माइं खौडै रौऐ जैज़ौउं लोगु नौइ पार ना
कौरी, तैबै यहोशुइ याजकु आरि बोलौ, कि तुमै बि
वारै आओ। तेतबासियै सै यरीहो बौज़ार रै नौज़िक
पौइंचै। यरीहो बौज़ारे दि चारिया पौशै बौरी बौड़ी
औज़ि ऊँची दिवाल थी।



जौ यहोशु यरीहो रै नौज़िक थौ, तैबै एक आदमी
तेसकाइ खौड़ौ उवौ, तैबै यहोशुइ तेसकौइ पूछौ
कि तु कासरी पौशै कौइ, तिणी बोलौ, कि आउँ
परमेश्वर री सेना रौ पौरदान औणे खि इबी आओ।
तैबै यहोशुइ तेसकै डाल की, औज़ि बोलौ, मेरै
पौरबु रि का आज्ञा, तैबै तिणी बोलौ, आपड़ै जुताउँ
पोरु गाड़ केलाकि सै ज़ागा पबित्र, तैबै यहोशुइ
तेशौइ कियौ।



तैबै परमेश्वरेइ यहोशु आरि बोलौ, आउं यरीहो रौ
राजाइ औज़ि तेसरै लोगु तेरै बश दि कौरु औज़ि
ताउंके जेती बि जुटिणै वाळै लोग सै बौज़ारेइ गरै
लै, औज़ि छौ दुसै जौउं याजक सिन्दुक गिनियौ शैर
रौ एक- एक फेरौ लाइयौ, औज़ि सातुवै दुसै बौज़ार
रै सात फेरै लाइयौ, औज़ि सातुवै दुसै सातुवौ फेरे
दि ज़ोरै कौइ जय जयकार कौरियौ तैबै शैर रि सारी
दिवाल डौळै ली।



तेतबासियै यहोशुइ लोगु आरि बोलौ, जैजौउं आउं
तुम्कै जय जयकार कौरने रि आज्ञा ना लै देऊ,
तैजौउं जय जयकार ना कौरियौ, औज़ि ना कोइ
आवाज़ आपड़े मुऐ कोइ गाड़ियौ, औज़ि ना कोइ
बूशै लाइयौ, जौ आउं बोलु लै तैबेइ जय जयकार
कौरियौ, तैबै छौ दुसै जौउं तिउं तेशौइ कियौ, औज़ि
सातुवै दुसै रात्ती बिऊज़ियौ तिउं शैर रै सात फेरै
लाए।



57-71

सातुवै दुसै याजकुऐ रौणशींग फुक्रौ औज़ि यहोशुइ
बोलौ, जय जयकार कौरै; केलाकि परमेश्वरेइ ऐ
जागा तुम्केखि देइ गोइ। तैबै लोगु रौणशींग री
आवाज़ शुणियौ तिउँ ज़ोरै – ज़ोरै कौइ जय जयकार
कियौ तैबै शैर रि सारी दिवाल डौळी औज़ि तिउँ
शैर ज़ितौ।



औज़ि शैर कौइ सारौ कुछ खतम कौरियो शैर रौ
नाश कियो। तैबै यहोशुइ एशी कसम खाइ जौ कोइ
एस शैर दि बौसै लौ सेउ परमेश्वर रि बौजै कौइ
प्रापित औयै लौ, एशेशौ यहोशुइ अलग – अलग
शैर जितियो कनान देश इस्राएलिउं कै दैऔ, औज़ि
परमेश्वर यहोशु रै साथै रौ, औज़ि यहोशु रौ नौऊं
सारै देश दि फैलौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.